दिनांक 29.11.2016 को जम्मू कश्मीर के भाल्ल, डोडा, में 'अतीश, वनककडी, चौरा और अन्य महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती' विषय पर राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड बोर्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक **29.11.2016** को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अन्तर्गत जम्मू कश्मीर के जिला डोड़ा के भाल्ल में, भदरवाह (डोडा) में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से "अतीश, वन ककडी, चौरा और अन्य महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में पड़ने वाले चिनाब घाटी के थलसारा, दोंडी, भाल्ल इत्यादि क्षेत्रों के 43 प्रगतिशील किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दी । कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य किसानों को चिनाब घाटी में पाए जाने वाले औषधीय पौधों की खेती को फसल के रूप में अपनाने के बारे में जागरूक करना था ।

डा० अमीर हुसैन जरगार, (के०ए०एस०) तहसीलदार, भाल्ल ने सामुदायिक बैठक कक्ष (भाल्ल) में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया । अपने संबोधन में उन्होंने क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक कृषि में विविधता लाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा इस क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती के साथ-साथ हिमाचल के विकास मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया ।

डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान एवं समन्वयक प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हे दिनभर चलने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम के शुरूआत में श्री जगदीश सिह, वैज्ञानिक-एफ॰ ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया । इसके उपरान्त उन्होंने औषधीय पौधों के महत्व, अजीविका सम्बन्धित विषयों और शीतोष्ण औषधीय पौधों की उचित पहचान के बारे में चर्चा की । इसके उपरांत डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-एफ॰ ने अतीश, चौरा और कुटकी पर नर्सरी एवं खेती की तकनीक पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा कार्यान्वित एवं एन०एम०पी०बी० द्वारा वित्त पोषित परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने खाद, वर्मी खाद तथा जैविक खेती के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी । इसके बाद श्री जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ॰ ने वनककडी की नर्सरी एवं खेती की तकनीक तथा हिमाचल प्रदेश के शीतोषण क्षेत्रों के बगीचों में औषधीय पौधों की अंतर्वती खेती से सम्बन्धित प्रस्तुति दी । कृषि विज्ञान केन्द्र, डोडा के वैज्ञानिकों डा० रवनीत कौर, डा० अमित चारक, डा० जी०एन०झा और डा० मनीश शर्मा ने अपने मूल्यवान अनुभव किसानों से सांझा किए, जिसमें मुख्यतः उन्होंने जम्मू कश्मीर की चिनाब घाटी में औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती शुरू करने पर बल दिए जिससे की स्थानीय पारपंरिक कृषि पद्धतियों में विविधता लाई जा सके ।

अपरान्ह में के० वी० के०, डोडा के डा० एस० खजुरिया, वैज्ञानिक (वानिकी) ने लवेन्डर, रोजमेरी, जटामांसी इत्यादि की व्यावसयिक खेती पर चर्चा की तथा शीतोषण औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती करने का अनुरोध किया । तत्पश्चात डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक ने स्थानीय समुदाय के हित के लिए औषधीय पौधों से संबन्धित विपणन के मुद्धों पर विस्तृत प्रस्तुति दी ।

प्रतिभागियों के हित को ध्यान में रखते हुए शाम को एक पूरा सत्र प्रतिभागियों और हि०व०अ०सं०, शिमला तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, डोडा के विशेषज्ञों के बीच परस्पर संवादात्मक सत्र के रूप में आयोजित किया गया । इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने औषधीय पौधों की खेती पर अपने विचार रखे तथा विशेषज्ञों से विस्तृत बात की । क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती, विपणन इत्यादि के विषयों से सम्बन्धित प्रतिभागियों के प्रश्नों को विधिवत विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया । रूचि रखने वाले किसानों को चोरा और पतीस के भूमिगत हिस्से के साथ बीज वितरित किए गए ताकि किसान इसी ऋतु में अपनी कृषि योग्य भूमि पर रोपित कर सके ।

अन्त में श्री जगदीस सिंह, वैज्ञानिक, हि०व०अ०सं०, शिमला ने प्रतिभागियों और के०वी०के०, डोडा के विशेषज्ञों को औपचारिक धन्यवाद दिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

Day Training Programme

Training programme on medicinal plants by KVK Doda in collaboration with HFRI Shimla

KT NEWS SERVICE

JAMMU | Nov 29: One day training programme on cultivation of "Bankakri"chora, Atish and other important temperate medicinal plants" was organized today by Himalayan Forest Research Institute , shimla (HP) under project funded by national Medicinal plants Board New Delhi at Bhalla, Doda (J&K) in collaboration with Krish Vigyan Kendra (K.V.K) Doda. Dr. Amir Hussain (KAS) Tehsildar- Bhalla innugurated the programme. About 50 members local community of Tehsil Bhalla actively participated.

Dr Sandeep Sharma gave detailed information for raising temperate medicinal plants, kisan nursery technique and marketing of medicinal plants. He also added that keeping in view the importance of medicinal plants, government of India has laid emphasis on large scale cultivation of Himalayan medicinal plants that will definitely improve the socio-economic status of hilly states including J&K.

Jagdish Singh Scientist of HFRI gave detailed presentation on medicinal plants viz Identification importance and use of high temperate medicinal plants, inter cultivation of temperate medicinal with Horticulture plantation, harvesting, processing etc.

Dr. Ravneet Kour, Dr. S. Khajuria Dr. Amit Charak Dr. G.N. Jha Scientists from KVK Doda of SKUAST Jammu gave interactive as well as scientific lectures to the participants. Dr. Khajuria laid emphasis on commercial cultivation of Lavender, rosemary, Jatamasi, etc. Dr. Munish Sharma and other technical staff of KVK Doda shared their valuable experiences of commercial cultivation of medicinal plants and aromatic plants in Bhaderwah region. Jagdish Singh presented vote of thanks to the resource persons from KVK Doda of SKUAST-Jammu, all the staff of BDO office Bhalla and participant farmers.

EARLY TIMES, JAMMU
WEDNESDAY, NOVEMBER 30, 2016

HFRI Shimla organizes training programme

30-11-2016

Early Times Report

Doda, Nov 29: One day training programme on cultivation of "Bankakri"chora, Atish and other important temperate medicinal plants" was organized today by Himalayan Forest Research Institute , shimla (HP) under project funded by national Medicinal plants Board New Delhi at Bhaffa, Doda in collaboration with Krish Vigyan Kendra (K.V.K) Doda. Dr. Amir Hussain (KAS) Tehsildar- Bhalla innugurated the programme. About 50 members local community of Tehsil Bhalla actively participated.

Dr Sandeep Sharma gave detailed information for raising temperate medicinal plants, kisan nursery technique and marketing of medicinal plants. He also added that keeping in view the importance of medicinal plants, government of India has laid emphasis on large scale cultivation of Himalayan medicinal plants that will definitely improve the socio-economic status of hilly states including J&K.

Jagdish Singh Scientist of HFRI gave detailed presentation on medicinal plants viz Identification importance and use of high temperate medicinal plants, inter cultivation of temperate medicinal with Horticulture plantation, harvesting, processing etc.

Dr. Ravneet Kour, Dr. S. Khajuria Dr. Amit Charak Dr. G.N. Jha Scientists from KVK Doda of SKUAST Jammu gave interactive as well as scientific lectures to the participants. Dr. Khajuria laid emphasis on commercial cultivation of Lavender, Rosemary, Jatamasi, etc. Dr. Munish Sharma and other technical staff of KVK Doda shared their valuable experiences of commercial cultivation of medicinal plants and aromatic plants in Bhaderwah region. Jagdish Singh presented vote of thanks to the resource persons from KVK Doda of SKUAST-Jammu.All the staff of BDO office Bhalla and farmers participant.